सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 112 | जौनपुर, बुधवार, 11 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे महाकुंभ से जुड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ

प्रयागराज,(एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुंभ से जुड़ी सात हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। साथ ही संगम तट पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके लिए जोर शोर से तैयारियां चल रही हैं। पीएमओ और एसपीजी की टीम प्रयागराज पहुंच गई हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए विमान से एयर रूट रिहर्सल किया गया। दूसरी ओर प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए संगम तट पर पंडाल तैयार हो गया है, जहां करीब 20 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी, जबकि जनसभा में दो लाख लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। उधर, पांच दिनों के भीतर

ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरी बार प्रयागराज पहुंच रहे हैं। 11 दिसंबर को वह महाकुंभ से जुड़े कार्यों की एक बार फिर से समीक्षा और निरीक्षण करेंगे। खासतौर पर मुख्यमंत्री बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट कॉरिडोर पहुंचेंगे, जहां 13 को प्रधानमंत्री को भी जाना है। इससे पहले सात दिसंबर को पहुंचे मुख्यमंत्री ने कार्यों के रफ्तार तेज करने के निर्देश दिए थे। सोमवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट कॉरिडोर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दूसरी ओर पीएम की जनसभा के लिए संगम तट पर भव्य पंडाल तैयार हो गया है। साथ ही इसका ले–आउट भी फाइनल हो गया है। विशाल पंडाल में करीब 40 ब्लाक बनाए गए हैं, जिसमें वीआईपी समेत अलग–अलग करीब 20 हजार व्यक्तियों के लिए व्यवस्था की जा रही है, हालांकि भाजपा नेताओं की ओर से दो लाख लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तीन दिन पहले प्रयागराज में पीएमओ और एसपीजी की टीम पहुंच चुकी है, जो जनसभा स्थल और अक्षयवट तथा हनुमान मंदिर कॉरिडोर का जायजा ले रही है, जहां पीएम नरेंद्र मोदी को जाना है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए तमाम इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के 13 दिसंबर को कार्यक्रम से पहले शहर के अधिकतर होटल बुक हो चुके हैं। स्थिति यह है कि मेला प्रशासन को होटल में कमरे ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। पीएम के कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार के अधिकतर मंत्री और विधायक प्रयागराज में ही होंगे। यही नहीं तमाम विभाग के अधिकारियों ने भी तैयारियों के लिए पहले से ही प्रयागराज में डेरा डाल रखा है। वहीं शादी–विवाह के सीजन में मुहूर्त के कारण 12–13 दिसंबर को पहले से भी काफी होटल और वेडिंग प्वाइंट बुक हो चुके हैं। ऐसे में अब स्थानीय प्रशासन को प्रधानमंत्री दौरे के लिए होटल की व्यवस्था करने में पसीने छूट रहे हैं।

सीएम आतिशि ने पूरे शहर में अग्नि सुरक्षा ऑडिट का दिया निर्देश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन बाजार में स्थित एक रेस्तरां में आग लगने के मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि रेस्तरां में आग लगने की वजह से एक कोचिंग संस्थान के कई छात्रों को बगल की इमारत में कूदना पड़ा था। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा, ''प्रथम दृष्टया परिस्थितियों के आधार पर कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।उसने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है और कारण जानने के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद ले रही है। इस बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना ने राजौरी गार्डन का दौरा किया और दुकानदारों से बात की। उन्होंने अग्निशमन विभाग को पूरी दिल्ली में अग्नि सुरक्षा ऑडिट करने का निर्देश भी दिया। आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' कल राजौरी गार्डन के एक रेस्तरां में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। आज घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया।" उन्होंने कहा, '' उचित निकास मार्ग न होने के कारण पहले ही एमसीडी और अग्निशमन विभाग ने रेस्तरां का एनओसी रद्द कर इसे बंद करने के आदेश दिए थे। फिर भी आग लगने की घटना क्यों हुई, इसकी पुलिस जांच कर रही है। इसके दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

किसान नेता फिर से शुरू करेंगे दिल्ली मार्च

नई दिल्ली,(एजेंसी)। किसानों ने सरकार की ओर से बातचीत के लिए निमंत्रण न मिलने का हवाला देते हुए 14 दिसंबर को एक बार फिर दिल्ली मार्च करने की योजना की घोषणा की है। किसान नेताओं ने कहा कि 101 किसानों का एक समूह इस विरोध प्रदर्शन के तहत दिल्ली जाएगा। इस कदम का उद्देश्य न्यूनतम समर्थन मूल्य और ऋण माफी के लिए कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों के लिए सरकार पर दबाव डालना है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने घोषणा की कि शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसान 14 दिसंबर को एक बार फिर दिल्ली की ओर मार्च करेंगे। पंधेर ने कहा कि उनके विरोध प्रदर्शन को अब 303 दिन हो गए हैं और न्याय की मांग को लेकर किसानों का अनशन

15वें दिन पर पहुंच गया है। पंधेर ने इस बात पर जोर दिया कि किसान हमेशा बातचीत के लिए खुले हैं, लेकिन उनके प्रयासों के बावजूद सरकार ने उनसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा बातचीत का स्वागत किया है, लेकिन सरकार की ओर से किसी ने भी हमसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कल (बुधवार) हम अपने आंदोलन की सफलता के लिए प्रार्थना करेंगे। हम उन किसानों की रिहाई की भी मांग करते हैं जिन्हें विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है। पंधेर ने फिल्मी सितारों, गायकों और धार्मिक नेताओं से विरोध को प्रचारित करके उनके मुद्दे का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं उनसे हमारे हित के लिए आवाज उठाने का अनुरोध करता हूं। किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए है। उस समय सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया गया था। किसान एमएसपी के अलावा कर्ज माफी, किसानों एवं खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली दरों में बढ़ोतरी न करने की मांग कर रहे हैं। किसान 2021 की लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए ''न्याय'', भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को बहाल करने और 2020–21 में पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा दिए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग लाया जाएगा ? कपिल सिब्बल उठाने जा रहे बड़ा कदम

इलाहाबाद,(एजेंसी)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि वह और कुछ अन्य सदस्य विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में कथित मुस्लिम विरोधी नफरत भरा भाषण देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव पेश करेंगे।

सिब्बल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैंने दिग्विजय सिंह, विवेक तन्खा, मनोज झा, जावेद अली और जॉन ब्रिटास से बात की है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही मिलेंगे और जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएंगे. और कोई रास्ता नहीं। यह शब्द के हर मायने में नफरत फैलाने वाला भाषण है। उन्होंने कहा कि जो भी न्यायाधीश ऐसा बयान देता है, वह अपने पद की शपथ का उल्लंघन कर रहा है।

यदि वह पद की शपथ का उल्लंघन कर रहा है, तो उसे उस कुर्सी पर बैठने का कोई अधिकार नहीं है। सिब्बल की यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्यायमूर्ति यादव द्वारा दिए गए भाषण पर संज्ञान लेने और इलाहाबाद उच्च न्यायालय को मामले का विवरण प्रदान करने का निर्देश देने से पहले आई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शीर्ष अदालत के पास ष्ऐसे लोगों को कुर्सी पर बैठने से रोकने की शक्ति है और मांग की कि कोई भी मामला उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को नहीं दिया जाना चाहिए।

सिब्बल ने कहा कि यदि एक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश इस तरह का भाषण दे सकता है तो सवाल उठता है कि ऐसे लोगों की नियुक्ति कैसे हो जाती है। सवाल यह भी उठता है कि उन्हें ऐसी टिप्पणी करने का साहस कैसे मिलता है।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर में अतिक्रमण करके बनाई गई मस्जिद का एक हिस्सा ढहाया गया

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में अतिक्रमण की जद में आए ललौली कस्बा के सदर बाजार स्थित नूरी जामा मस्जिद के पीछे का हिस्सा आज मंगलवार सुबह तोड़ दिया गया। इस बीच पीएसी समेत भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा। ललौली कस्बा के सदर बाजार स्थित नूरी जामा मस्जिद अतिक्रमण की जद में आने पर मस्जिद कमेटी को पीडब्ल्यूडी विभाग ने नाला निर्माण के लिए सर्वे के दौरान बीते 24 सितंबर 2024 को नोटिस दी थी। जिस पर मस्जिद कमेटी ने अतिक्रमण हटाने के लिए एक माह का समय मांगा था। इस सर्वे में 133 मकान व दुकानें भी अतिक्रमण की जद में आई थी। एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद मंगलवार को एडीएम व एएसपी की मौजूदगी में सुबह बुलडोजर से मस्जिद का पिछला हिस्सा ढहाया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पीएसी व आरएएफ पुलिस बल के साथ राजस्व टीम भी मौजूद रही।

पिछड़ों के नेता सूरज चौधरी ने पार्टी छोड़ी

लखनऊ,(एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में टिकट को लेकर कलह और परिवार की लड़ाई शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सूरज चौधरी ने सांसद अवधेश प्रसाद पर परिवाद का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी है, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। सपा नेता सुब्रत पाठक ने कहा कि सपा अध्यक्ष तो परिवार के लोगों को ही टिकट देते हैं। यही उनकी परंपरा है, बता दें कि मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव होना है सपा ने इस सीट से फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिया है, जिससे समाजवादी पार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सूरज चौधरी ने अपने 500 साथियों के साथ समाजवादी पार्टी छोड़ दी है।

180 साल पुराने नूरी जामा मस्जिद पर चला योगी सरकार का बुलडोजर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में 180 साल पुरानी नूरी जामा मस्जिद के एक बड़े हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा नोटिस जारी करने के बाद मंगलवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया। बांदा सागर रोड पर ललौली शहर में स्थित मस्जिद समिति द्वारा दो नोटिस जारी किए जाने के बाद भी अतिक्रमण हटाने में विफल रहने के बाद विध्वंस हुआ। जिस हिस्से को ढहाया गया, उसका निर्माण पिछले तीन वर्षों में बांदा–बहराइच रोड पर मस्जिद का विस्तार करने के लिए किया गया था, जिससे सड़क के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हुई। पिछले तीन वर्षों में बांदा–बहराइच रोड पर मस्जिद का विस्तार करने के लिए किया गया था। जिससे सड़क के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हुई। मस्जिद को गिराने के लिए प्च्क विभाग ने एक महीने पहले नोटिस दिया था।

केजरीवाल का बड़ा ऐलान, बेटी की शादी में मिलेंगे 1 लाख रुपये, ऑटो रिक्शा चालकों को मिलेगी कई सुविधाएं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को शहर के ऑटो रिक्शा चालकों के लिए 10 लाख रुपये की बीमा का ऐलान किया।

केजरीवाल ने कोंडली विधानसभा क्षेत्र में एक ऑटो रिक्शा चालक के परिवार के सदस्यों के साथ दोपहर का भोजन किया। आप प्रमुख ने ऑटो चालकों को उनकी बेटियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने का भी वादा किया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑटो चालकों को पोशाक भत्ते के रूप में साल में दो बार 2,500 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने उनके बच्चों को मुफ्त कोचिंग और 'पूछो' ऐप की फिर से शुरूआत करने का भी आश्वासन दिया। यह ऐप 'दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी–मॉडल ट्रांजिट सिस्टम' द्वारा विकसित डेटाबेस तक पहुंच स्थापित करने में मदद करता है जिससे लोगों को पंजीकृत ऑटो चालकों को कॉल करने की सुविधा मिलती है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल फरवरी में होना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ एकजुट हुआ विपक्ष, उपराष्ट्रपति पद से हटाने को सौंपा अविश्वास प्रस्ताव नोटिस

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों ने जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार को सौंप दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ के "अत्यंत पक्षपातपूर्ण तरीके से राज्यसभा की कार्यवाई संचालित करने" के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, "राज्यसभा के माननीय सभापति द्वारा अत्यंत पक्षपातपूर्ण तरीके से उच्च सदन की कार्यवाही का संचालन करने के कारण इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के पास उनके खिलाफ औपचारिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।" उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की पार्टियों के लिए यह बेहद ही कष्टकारी निर्णय रहा है, लेकिन संसदीय लोकतंत्र के हित में यह कदम उठाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव अभी राज्यसभा के महासचिव को सौंपा गया है। इससे पहले, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने संसद परिसर में संवाददाताओं को बताया कि करीब 60 सांसदों के हस्ताक्षर वाला नोटिस राज्यसभा सभापति के सचिवालय को दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि विपक्षी दलों ने नोटिस देने के लिए अगस्त में ही जरूरी संख्या में हस्ताक्षर ले लिए थे, लेकिन वे आगे नहीं बढ़े क्योंकि उन्होंने धनखड़ को ''एक और मौका देने" का फैसला किया था, लेकिन सोमवार के उनके आचरण को देखते हुए विपक्ष ने इस पर आगे बढ़ने का फैसला

किया। विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''सभापति का आचरण अस्वीकार्य है। वह भाजपा के किसी प्रवक्ता से ज्यादा वफादार दिखने का प्रयास कर रहे हैं।" संविधान के अनुच्छेद 67 में उपराष्ट्रपति की नियुक्ति और उन्हें पद से हटाने से जुड़े तमाम प्रावधान किए गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 67(बी) में कहा गया है, "उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के एक प्रस्ताव, जो सभी सदस्यों के बहुमत से पारित किया गया हो और लोकसभा द्वारा सहमति दी गई हो, के जरिये उनके पद से हटाया जा सकता है लेकिन कोई प्रस्ताव तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक कम से कम 14 दिनों का नोटिस नहीं दिया गया हो, जिसमें यह बताया गया हो ऐसा प्रस्ताव लाने का इरादा है।"

शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे की मांग- बेलगावी को बनाया जाए केंद्रशासित प्रदेश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने मांग की कि महाराष्ट्र की सीमा से लगे कर्नाटक के शहर बेलगावी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाना चाहिए। इसके बाद से इसको लेकर सियासत तेज हो गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चुटकी लेते हुए ठाकरे के बयान को बचकाना कहा। उन्होंने कहा कि यह बचकाना बयान है। महाजन आयोग की रिपोर्ट अंतिम है। इसलिए न तो हमें कुछ मांगना चाहिए और न ही उन्हें। इसे केंद्र शासित प्रदेश कैसे घोषित किया जा सकता है? और, अगर महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) विरोध करती है, तो क्या हम चुप रहेंगे? सिद्धारमैया ने कहा कि यह मांग करना मूर्खता है कि जिले को महाराष्ट्र में शामिल किया जाना चाहिए। कर्नाटक सरकार इस संबंध में दिए जा रहे बचकाने बयानों को बर्दाश्त नहीं करेगी। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा कि महाराष्ट्र में करारी हार के बाद वे इस मुद्दे को उछालने की कोशिश कर रहे हैं। यह सिर्फ एक राजनीतिक नौटंकी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बेलगावी हमेशा से कर्नाटक का अभिन्न अंग रहा है और हमेशा रहेगा। सोमवार को कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होते ही महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्य इसका विरोध कर रहे थे। संगठन ने बेलगावी में एक सभा का आयोजन किया, लेकिन कर्नाटक सरकार ने कथित तौर पर सभा पर रोक लगा दी और महाराष्ट्र के नेताओं के राज्य में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। बेलगावी सीमा मुद्दा 1957 का है जब राज्यों को भाषाई आधार पर पुनर्गठित किया गया था। महाराष्ट्र ने बेलगावी पर दावा किया, जो पूर्ववर्ती बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि इसमें बड़ी संख्या में मराठी भाषी आबादी है, और 800 से अधिक मराठी भाषी सीमावर्ती गांव हैं जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं। कर्नाटक का कहना है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 महाजन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किया गया सीमांकन अंतिम है। यह दावा करने के लिए कि बेलगावी राज्य का अभिन्न अंग है, कर्नाटक सरकार ने यहां श्सुवर्ण विधान सौधश का निर्माण किया, जो बेंगलुरु में राज्य विधानमंडल और सचिवालय की सीट विधान सौध की तर्ज पर बनाया गया था।

सूखा राहत के लिए एनडीआरएफ से वित्तीय सहायता का मुद्दा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और कर्नाटक सरकार से सूखा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने पर अपनी असहमति को हल करने का आग्रह किया। शीर्ष अदालत कर्नाटक सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र को राज्य को एनडीआरएफ से वित्तीय सहायता जारी करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। कर्नाटक की ओर से पेश वकील ने कहा कि राज्य ने 18,171 करोड़ रुपये का अनुरोध किया और 3,819 करोड़ रुपये दिए गए हैं। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने हलफनामा दाखिल करने के लिए अधिक समय का अनुरोध किया और अदालत ने अगली सुनवाई जनवरी

के लिए निर्धारित की। कर्नाटक की याचिका में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि राज्य के 236 तालुकों में से 223 को खरीफ 2023 सीजन के दौरान सूखा प्रभावित घोषित किया गया था, जिसमें 196 तालुक गंभीर रूप से प्रभावित थे। राज्य में 48 लाख हेक्टेयर से अधिक फसल के नुकसान की सूचना है, जिसकी अनुमानित राशि 35,162 करोड़ रुपये है। कर्नाटक ने आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा पूरी सहायता जारी करने से इनकार करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 का उल्लंघन है। याचिका में दावा किया गया है कि अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) द्वारा अक्टूबर 2023 में सूखे का आकलन करने के बाद केंद्र अनिवार्य एक महीने की अवधि के भीतर कार्रवाई करने में विफल रहा।

संपादकीय

संकट का आकलन

यूं तो हर रोज कई ऐसी खबरें विचलित करती हैं, जिसमें इंसानी रिश्तों का कत्ल होता है। लेकिन कुछ घटनाएं इतनी हृदयविदारक व वीभत्स होती हैं कि हर संवेदनशील व्यक्ति दुख व करुणा से स्तब्ध रह जाता है। पिछले दिनों दिल्ली की उस घटना ने विचलित किया, जिसमें आक्रोशित युवक ने पिता,मां व बहन की हत्या गुस्से में आकर कर दी। वहीं शनिवार को हरियाणा के शाहबाद की उस घटना ने हर किसी को झकझोरा, जिसमें पैसे के लेन–देन को लेकर कुछ लोगों द्वारा उत्पीड़ित किए जाने पर एक व्यक्ति ने अपने माता–पिता, पत्नी की निर्मम हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। उसने कोशिश तो अपने किशोर पुत्र की हत्या की भी की लेकिन संयोगवश वह बच गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें अपनों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने आठ लोगों द्वारा रुपयों के लेन–देन के लिये उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज भी किया है। अब भले ही हत्यारे व्यक्ति को रुपयों के लेन–देन को लेकर विकट स्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उसे इससे जन्म देने वाले माता–पिता व पत्नी की हत्या करने का अधिकार तो नहीं मिल जाता। आखिर उसके परिजनों का क्या कसूर था जिन्हें अकारण उसने मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, ऐसे मामलों में अकसर देखने में आता है कि विकट परिस्थितियों में बेहद तनाव की स्थितियों से गुजर रहा व्यक्ति इतना हताश हो जाता है कि अपने प्रियजनों को किसी अपमानजनक स्थिति से बचाने के लिये उनकी जीवन लीला समाप्त करना अंतिम विकल्प समझ लेता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई व्यक्ति वास्तविक आर्थिक स्थितियों का आकलन किए बिना ऐसे कदम उठा लेते हैं कि उसकी प्रतिपूर्ति करना मुश्किल हो जाता है। दरअसल संकट से गुजरते व्यक्ति में मुश्किल हालातों से मुकाबले का ऐसा धैर्य ही नहीं रहता है कि उससे उबारने का रास्ता खोज सके। ऐसे में मौत को गले लगाना ही उसे अंतिम विकल्प नजर आता है। दरअसल, हमारे समाज में आज महत्वाकांक्षाओं और भौतिक संसाधन जुटाने का इस कदर जुनून हावी है कि आसन्न संकट का आकलन किए बिना व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है। वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आर्थिक लिप्साओं के उफान के दौर में लोग इतने संवेदनहीन हो चले हैं कि व्यक्ति की दुखती रग पर हाथ रखकर भयादोहन करने लगते हैं। निश्चित रूप से ये विकट स्थितियां मानवीय मूल्यों के पराभव को भी दर्शाती हैं। शाहाबाद की हृदय विदारक घटना के लिये जिन लोगों को दोषी बताया जा रहा है, उन्होंने भी इतना रहम नहीं दिखाया कि यह परिवार उजड़ने से बच जाए। चंद रुपयों को वसूलने के क्रम में लोग किस हद तक गिर सकते हैं, यह घटनाक्रम उसकी बानगी है। एक समय था कि लोग ऐसे संकट में फंसे व्यक्ति की मदद के लिये खड़े होते थे। हमारा सामाजिक स्वरूप ऐसा था कि गांव–मोहल्ले के लोग एक–दूसरे का दुख–दर्द बांट लेते थे। आज हर तरफ लोग पैसे के पीर बन गए हैं। शहरों में लोगों में ऐसी संवेदनशीलता नजर नहीं आती है कि दूसरे व्यक्ति या परिवार को संकट में फंसा देखकर आर्थिक संबल देकर या मनोबल बढ़ाकर उसे सांत्वना दें। ऐसे में जब व्यक्ति अपनी व अपने परिवार की मर्यादा व सम्मान गर्दिश में देखता है, तो वह आत्मघात को संकट का आखिरी समाधान मान लेता है। यह नये दौर की सामाजिक विकृति ही है कि अपनों का कत्ल करने से कोई गुरेज नहीं करता। सवाल यह भी है कि संकट कितना बड़ा क्यों न हो, आखिर कैसे कोई जन्म देने वाली मां का कत्ल कर सकता है? कैसे उस पिता को मार देता है, जिसने उसका जीवन सींचा है? कैसे उस पत्नी की हत्या कर देता है जिसकी रक्षा का संकल्प उसने सात फेरे लेते वक्त लिया था? निस्संदेह, समाज में पनपती यह संवेदनहीनता, निर्ममता, क्रूरता हमारे समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है। आखिर क्यों किसी सभ्य समाज में ऐसी विकृतियां पनप रही हैं? यह हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी है। जिसे सुना जाना चाहिए।

सीरिया के तख्तापलट से मध्यपूर्व में नया संकट

पुष्परंजन

दमिश्क में पूर्व राष्ट्रपति हफीज अल असद के बुत उठाये जा रहे हैं। तानाशाहों के ताज उछाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन का दावा है कि इस्राइल द्वारा 'ईरान और हिजबुल्लाह पर किए गए प्रहार' का सीरियाई क्रांति पर सीधा प्रभाव पड़ा है। लेकिन इस्राइल को चिंता बफर जोन की है। सीरियाई विद्रोही कब्जा न करें, इस वास्ते इस्राइली बलों को आदेश दिया है वो सतर्क रहें। ईरान का आरोप है कि यह सारा खेल अमेरिका, इस्राइल और तुर्किये का रचा हुआ है। लेकिन, यदि यह त्रिगुट आइसिस और अल कायदा की विचारधारा पर चलने वाले हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) को प्रोमोट करता रहा है, तो मानकर चलिए कि मिडल ईस्ट में एक खतरनाक खेल हुआ है। इस खेल का नाम था 'ऑपरेशन डिटरेंस ऑफ एग्रेशन'। 'एचटीएस' को यहां तक पहुंचने में बारह साल लगे। पहले इसे 'अल–नुसरा फ्रंट' के नाम से जाना जाता था। जबात अल–नुसरा का गठन 2012 में आइसिस द्वारा किया गया था। एक साल बाद यह गुट अलग हो गया, और फिर जबाहत फतेह अल–शाम नाम रखकर अल–कायदा के प्रति निष्ठा की घोषणा कर दी। कालांतर में इसने अल–कायदा से भी संबंध तोड़ लिए, और 2017 में हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) नाम से अपनी ब्रांडिंग शुरू कर दी। 'एचटीएस' इदलिब को नियंत्रित करता है। उत्तर–पश्चिम सीरियाई शहर इदलिब विद्रोहियों का एपिसेंटर रहा है, जहां दूसरे आतंकी समूह, 'लिवा अल–हक', 'जबात अंसार अल–दीन' और 'जैश अल–सुन्ना' इससे जुड़ गए। सीरिया की सीमा उत्तर में तुर्की, पश्चिम और दक्षिण–पश्चिम में लेबनान और इस्राइल, पूर्व में इराक, और दक्षिण में जॉर्डन से लगती है। मानकर चलें कि जब तक सीरिया में चुनाव होकर एक निर्वाचित सरकार नहीं आ जाती, यह पूरा इलाका डिस्टर्ब रहेगा। सीरिया की राजधानी में इराकी दूतावास की इमारत को खाली करा लिया गया है, और कर्मचारियों को लेबनान भेज दिया गया है। यह इराक द्वारा सीरिया के साथ अपनी सीमा को बंद करने, और दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हयात तहरीर अल–शाम विद्रोही समूह के सदस्यों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुआ है। रूस, ईरान, तुर्की, इराक, मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब और कतर ने दोहा में सीरिया का 'राजनीतिक समाधान' निकालने आह्वान करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया है। दूसरी ओर, सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अलजलाली ने स्वतंत्र चुनाव कराये जाने की मांग की है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है, रूस मिडल–ईस्ट से अपना मिलिटरी बेस हटाता है, कि नहीं? सीरिया के लताकिया प्रांत में रूस के खमीमिम एयरबेस और तटीय नगर पर टार्टस में इसकी नौसैनिक सुविधा है। टार्टस मिडल ईस्ट में रूस की एकमात्र भूमध्यसागरीय मरम्मत और पुनःपूर्ति केंद्र है। मास्को के लिए यह वैसा बेस है, जहां से उसके मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर अफ्रीका में स्थित ठिकानों पर उड़ानें भरते हैं। बशर अल असद की वजह से रूस को टार्टस में एक नौसैनिक अड्डा और खमीमिम में एक सैन्य हवाई अड्डा हासिल हुआ था। बदले में मॉस्को की सेना 2015 में सीरियाई संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल हो गई, जिसने खूनी गृहयुद्ध में विपक्ष को कुचलने के लिए असद की सेना को सहायता प्रदान की। हमीमिम एयरबेस और टार्टस हटाने के लिए, क्या एक और युद्ध होगा? इस सवाल को हम यहीं छोड़े जाते हैं। लेकिन, सबसे डरावना है अरब विद्रोह, या 'अरब स्प्रिंग', जो मिडल ईस्ट के शाही परिवारों और डायनेस्टी पॉलिटिक्स करने वालों की नींद उड़ाए हुए है। अरब स्प्रिंग के बीज 17 दिसंबर, 2010 को बोए गए थे, जब ट्यूनीशियाई सड़क पर खोमचे लगाने वाला मोहम्मद बौआजीजी ने पुलिस दुर्व्यवहार के विरोध में आत्मदाह कर लिया था। आत्मदाह देखकर क्रांति भड़क उठी। 14 जनवरी, 2011 को ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति जीन एल अबिदीन बेन अली देश छोड़कर भाग गए। ट्यूनीशिया के बाद, अरब स्प्रिंग की गति बढ़ती रही। 25 जनवरी, 2011 को मिस्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, जिसके परिणामस्वरूप 11 फरवरी को राष्ट्रपति होस्नी मुबारक ने इस्तीफा दे दिया। यह अशांति और फैल गई, 15 फरवरी, 2011 को लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। कर्नल मुअम्मर गद्दाफी ने लीबिया पर कुल 42 साल तक राज किया, कर्नल गद्दाफी सबसे अधिक समय तक राज करने वाले तानाशाह के रूप में जाने जाते थे। 20 अक्तूबर, 2011 को गद्दाफी मारे गये, लेकिन उससे पहले उनकी बड़ी दुर्गति हुई। 2013 अमेरिका ने सीरियाई विपक्ष को सहायता प्रदान करना शुरू किया। उसी साल 21 अगस्त को घोउटा में विद्रोहियों पर रासायनिक हथियारों से हमला हुआ। अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। सितम्बर में सीरिया अंतर्राष्ट्रीय निगरानी में अपने रासायनिक हथियारों को नष्ट करने के लिए सहमत हुआ। 14 अप्रैल, 2018 को रूसी बलों द्वारा समर्थित सीरियाई सरकार ने लंबे समय तक घेराबंदी और भारी बमबारी के बाद पूर्वी घोउटा पर फिर से कब्जा कर लिया। 31 दिसंबर, 2020 को असद सरकार ने अलेप्पो पर भी नियंत्रण हासिल कर लिया, जो युद्ध में एक बड़ा मोड़ था। 26 मई, 2021 को बशर अल–असद को सीरिया के राष्ट्रपति के रूप में चौथी बार फिर से चुना गया, चुनाव की निष्पक्षता की अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बावजूद उन्हें 95.1

प्रतिशत वोट मिले। सीरिया 14 वर्षों से गृहयुद्ध की चपेट में है। सीरिया में जो कुछ हुआ है, वह सभी एशियाई और अरब तानाशाहों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। विस्थापित सीरियाई नागरिकों का रिएक्शन अमेरिका–यूरोप में जिस स्केल पर दिखा उससे ही समझ में आ जाता है, गृहयुद्ध में उलझा मिडल ईस्ट कितना तबाह हुआ है। विपक्ष समर्थक सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, मार्च 2011 और मार्च, 2024 के बीच 164223 नागरिक मारे गए। इस संख्या में सरकारी जेलों में मारे गए अनुमानित 55,000 नागरिक शामिल नहीं हैं। भारत ने हाल ही में सीरिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नवीनीकृत करने के प्रयास शुरू किए थे। फरवरी 2023 में विनाशकारी भूकंप के बाद 'ऑपरेशन दोस्त' के नाम से भारत ने सीरिया को मानवीय सहायता भेजी थी, जबकि पश्चिमी देश ऐसा करने के लिए अनिच्छुक थे। भारत ने असद शासन को हटाने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का विरोध किया था। भारत और सीरिया ने 29 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श का छठा दौर आयोजित किया था। सीरिया में करीब 90 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से 14 संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों में काम कर रहे हैं। इस समय उनकी सुरक्षा भी हमारे लिए जरूरी है।

जलवायु बदलावों की गति थामने को जरूरी गंभीर पहल

आदित्य

दुनिया में ऐसा मानने वाले बहुत लोग हैं कि जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ हवा–हवाई बातें हैं। इनका हौवा खड़ा करके कुछ पर्यावरणवादी संगठन और गरीब देश धन ऐंठते हैं। हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप तो ऐसे ही तर्क देकर जलवायु परिवर्तन थामने वाली पेरिस संधि से बाहर भी हो चुके हैं। इसके अलावा कुछ लोग मानते हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कई बार सकारात्मक असर भी होता है। इसका एक उदाहरण उत्तराखंड में सामने आया, जहां तेजी से बढ़ते एक हिमनद यानी ग्लेशियर का पता चला है। भारत–चीन सीमा के नजदीक नीति घाटी में पाया गया यह हिमनद 48 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला है। हाल तक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और सिक्किम आदि में हिमनदों के पिघलने, सिकुड़ने और गायब हो जाने की खबरें आती रही हैं। तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की सूचना से जलवायु परिवर्तन से जुड़े वे सवाल फिर उठ खड़े हुए हैं कि कहीं सच में ऐसी आपदाओं का फर्जी डर तो नहीं दिखाया जा रहा है। या फिर नुकसान करने की बजाय यह परिवर्तन पृथ्वी के वातावरण में संतुलन बनाने के लिए तो नहीं होता है। उत्तराखंड में सामने आए हिमनद का पता देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने उपग्रही आंकड़ों और अन्य तकनीकों के जरिए लगाया है। क्या ऐसा जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक प्रभावों से हुआ है– इसके जवाब में इन भूवैज्ञानिकों का मत है कि यह विचित्र घटना पर्यावरणीय असंतुलन यानी हाइड्रोलॉजिकल इंबैलेंस का परिणाम है जिसकी वजह से बर्फ की परतें कमजोर हो जाती हैं और वे अस्थिर होकर बड़े इलाके में फैल जाती हैं। बाढ़, सूखे, चक्रवात, भीषण गर्मी या सर्दी समेत तमाम तरह के मौसमी असंतुलन भी जलवायु परिवर्तन की अराजकताओं के नतीजे में पैदा होते हैं। बीते वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर कई यूरोपीय देशों ने जैसी भीषण गर्मी और बाढ़ की त्रासदियां झेली हैं, उनमें यह असंतुलन दिखाई दे रहा है। इन्हीं घटनाओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस बयान दे चुके हैं कि हमारी पृथ्वी गंभीर किस्म की जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही है। जलवायु संकटों पर निगाह डालें तो बीते कुछ वर्षों में दुनिया में काफी उथल–पुथल हो गई। हाल के चार वर्षों में कोरोना वायरस के कारण लगे प्रतिबंधों का धरती की जलवायु पर सकारात्मक असर हुआ था। तब उम्मीद की जाने लगी थी कि इन सार्थक तब्दीलियों से सबक लेते हुए पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्थाएं विकास का ऐसा रास्ता चुनेंगी, जिसमें धरती के सुंदर भविष्य की परिकल्पनाएं साकार हो जाएंगी। लेकिन पहले तो अमेरिका–चीन के बीच तनातनी ने माहौल बिगाड़ा व बाद में रूस–यूक्रेन जंग ने। विशेषज्ञों का दावा है कि पिछले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (ग्लासगो) में जिन बातों को लेकर सहमति बनी थी, उन्हीं की दिशा में बहुत धीमी प्रगति हुई। दूसरी वजह वित्तीय संकट और ऊर्जा के वैश्विक विकल्पों के सीमित होने की घटनाओं से बनी। ये घटनाएं न होतीं तो संभवतः जलवायु परिवर्तन लक्ष्य हासिल करने की राह आसान होती। विकास बनाम पर्यावरण संकट के रिश्तों की बात करें तो तय है, जैसी धरती हमें सदियों पहले मिली थी, वह हमेशा वैसी नहीं रह सकती। विकास की कुछ कीमत पर्यावरण को अदा करनी ही थी। लेकिन धरती और इसकी आबोहवा औद्योगिक क्रांति के डेढ़ सौ बरस में ही इतना ज्यादा बदल गयी कि वैसा कुछ पृथ्वी पर जीवन के विकास के

हजारों साल में कभी नहीं हुआ। चार दशक पहले जिनेवा में आयोजित पहले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से मिलती है, जिसमें जुटे विज्ञानियों ने पहली बार जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसमी बदलावों पर औपचारिक रूप से चिंता जताई थी। हाल के वर्षों में जलवायु विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अब अगर जल्द ही जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई गई तो इंसान नामक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा हो सकता है क्योंकि क्लाइमेट इमरजेंसी का वक्त आ पहुंचा है। इसका अंदाजा वर्ष 2022 में पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ व यूरोप के कई देशों में ऐतिहासिक गर्मी पड़ने से नदियों के सूखने से लगता है। जलवायु परिवर्तनों के बदलावों को कई वैज्ञानिक अध्ययनों में दर्ज किया गया है। ब्रिटेन विश्व में ऐसा पहला देश है जिसने पांच साल पहले 1 मई, 2019 को लंदन में हुए एक आंदोलन के बाद प्रस्ताव पारित करते हुए देश में सांकेतिक तौर पर जलवायु आपातकाल घोषित किया था। मई 2019 में ही आयरलैंड ऐसा करने वाला दूसरा देश बना था जिसकी संसद ने 'जलवायु आपातकाल' घोषित कर दिया था। साथ ही संसद से आह्वान किया था कि आयरिश सरकार जांच करके पता लगाए कि उसकी कौन सी नीतियों के कारण जैव–विवधता को नुकसान पहुंच रहा है और भरपाई के लिए क्या बदलाव किए जाएं। जलवायु आपातकाल लगाने के फैसले के पीछे लंदन में हुए जिस आंदोलन की भूमिका है, उसे वहां जिस समूह ने चलाया था उसका लक्ष्य साल 2025 तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सीमा शून्य पर लाने और जैवविविधता के नुकसान को समाप्त करना है। दरअसल पृथ्वी का हम इंसानों ने बेदर्दी से दोहन किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, पृथ्वी के वायुमंडल में पहले से ज्यादा जहरीली गैसें और गर्मी घुल गई है। कोई अपवाद छोड़ दें तो इस गर्मी के चलते गंगोत्री और अंटार्कटिका जैसे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। तितलियों, मधुमक्खियों, मेंढक व मछली प्रजातियों, चिड़ियों, दुर्लभ सरीसृपों और अन्य जीव–जंतुओं की सैकड़ों किस्में हमेशा के लिए विलुप्त हो गई हैं। जंगल खत्म हो गए हैं, पानी का अकाल पड़ रहा है। कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों की मात्रा काफी ज्यादा बढ़ गई है जिससे सांस लेना दूभर हो गया है। नदियों से भी आस टूट रही है। नदियों के अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। चार–पांच दशकों में धरती की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ, जबकि आह्वान कई बार किए जा चुके हैं। अरबों–खरबों के खर्च के बावजूद वे कोशिशें रंग लाती नहीं दिखीं, जिन पर अमल होने से धरती माता के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार आ जाना चाहिए था।

त्रिकालद्रष्टा सब कुछ जानता है

आलोक

गूगल वालों ने मुझे बताया कि आप पिछले महीने यहां–यहां जा चुके हैं। पूरी जानकारियां देते हुए गूगल ने बताया कि आप यहां–यहां इस–इस दिन गये थे। इस तरह की जानकारियां बहुत खतरनाक हैं। मेरे मित्र घर पर बताते हैं कि वह परम जरूरी मीटिंग में जा रहे हैं, फिर वह शराब के ठेके पर चले जाते हैं। शराब के ठेकों पर उन्होंने कब विजिट किया, कितनी बार विजिट किया, यह बात उनकी मां नहीं जानती, उनकी पत्नी नहीं जानती, पर गूगल को यह सारी बातें पता हैं। गूगल को बहुत कुछ पता है। गूगल को सब कुछ पता है। गूगल मांओं की मां है, बापों का बाप है, दादाओं का दादा है, गूगल सब जानता है। गूगल की कई सेवाएं मुफ्त हैं, कई सेवाओं के लिए गूगल को पैसे देने होते हैं। गूगल कई जानकारियां दिखाने के पैसे लेता है, मुझे लगता है कि वक्त वह आने वाला है जब गूगल वाले जानकारियां न दिखाने के भी पैसे मांगा करेंगे। मेरे शराबी मित्र से इस बात के पैसे मांगे जा सकते हैं कि इतने रुपये हर महीने दो, वरना घर पर बता देंगे, उसकी पत्नी के ईमेल पर बता देंगे कि ये भाई साहब इस–इस तारीख को इस–इस शराब के ठेके पर गये थे। इस आशय के नक्शे अगर पत्नी के साथ शेयर कर दिये जायें, तो बड़े से बड़े शराबी की नशेबाजी ढीली हो सकती है। गूगल सब कुछ जानता है। ज्ञान ताकत देता है, दूसरों से जुड़ा ज्ञान अगर आपको मिल जाये, तो आपको ताकत मिल सकती है, वह बंदा कमजोर हो सकता है। झूठ बोलना मुश्किल कर रहा है गूगल। बिना झूठ के जिंदगी बहुत ही टेंशनवाली हो जायेगी। गूगल को अब इतना ज्यादा पता लग गया है कि हमारी जिंदगी का कुछ भी उससे छूटा नहीं है। कौन–सी फ्लाइट में हम जा रहे हैं, यह गूगल को पता है क्योंकि फ्लाइट का टिकट गूगल की ईमेल में होता है। कौन–सा सिनेमा देखने हम जा रहे हैं, यह बात गूगल को पता हो सकती है क्योंकि सिनेमा का टिकट गूगल की ईमेल में होता है। पिछले संडे मैं घर पर था। घर पर खाली देखकर घरवालों ने काम लगा दिये कि रजाई निकालो, उन्हें धूप में डालो, फिर बाजार से सब्जी लाओ, फिर, मैंने कहा कि बहुत जरूरी काम से जाना पड़ रहा है। फिर पार्क में जाकर मैं धूप में सो गया। अब घर वाले गूगल मैप्स से देखकर पता लगा सकते हैं कि यह किसी काम से न गया था, यह तो पास के पार्क में जाकर सो गया था। क्या गति होगी मेरी, मतलब क्या दुर्गति होगी मेरी।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

ललित

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचौनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक–दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू–कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है। निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां–जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय–समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक–दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने–सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा–थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग–थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू–कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके।

इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे।

अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिलाध्यक्ष बने दयाल शरन श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । अखिल भारतीय चित्रांश महासभा भारत के संस्थापक अध्यक्ष विनोद बिहारी वर्मा जी के संस्तुति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा ने जौनपुर निवासी कायस्थ महासभा एवं कायस्थ कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष जौनपुर मनोनीत किया है उक्त आशय की जानकारी राष्ट्रीय महासचिव विमलेश श्रीवास्तव पूर्व ओएसडी स्वास्थ मंत्री ने देते हुए कहा कि जौनपुर जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव अखिल भारतीय चित्रांश महासभा को मजबूत बनाने में योगदान देंगे। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर का जिलाध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव को मनोनीत होने पर संजय श्रीवास्तव राष्ट्रीय अध्यक्ष कायस्थ महासभा (७२३५) राष्ट्रीय महासचिव कायस्थ महासभाध्याष्ट्रीय संगत पंगत के वरिष्ठ नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव राकेश श्रीवास्तव साधु, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश अस्थाना, कायस्थ महासभा जौनपुर जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट,राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव, प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव,राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार जी , प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव सोनू, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू, जिला उपाध्यक्ष संतोष निगम, वरिष्ठ अधिवक्ता बजरंग प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ अशोक अस्थाना,डॉ विवेक श्रीवास्तव डॉ निलेश श्रीवास्तव, युवा नेता राजेश किशोर श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता चंद्रमोहन श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता शशि श्रीवास्तव गुड्डू भैया, जिला उपाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेट, रमेश श्रीवास्तव प्रशासनिक अधिकारी, जिला संगठन सचिव अनूप सिन्हा, अशोक श्रीवास्तव, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव राजा, प्रदेश सचिव अनुपम श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, अनीस श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव, आर पी श्रीवास्तव शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट,आदि ने बधाई दिया। दयाल सरन श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष बनने पर संगत पंगत, श्री चित्रगुप्त पूजन महासमिति, कायस्थ समाज जौनपुर द्वारा 15 दिसंबर रविवार को दोपहर ढाई बजे उनके आवास पर सम्मानित किया जाएगा।

बेंगलुरु में एआई इंजीनियर आत्महत्या के तार जौनपुर से जुड़े, आरोपितों ने मीडिया से बात करने से किया इनकार

कल दिल्ली से आ रही निकिता कर सकती है मीडिया से बातचीत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 11 दिसंबर । बेंगलुरु में एआई इंजीनियर की आत्महत्या कांड को लेकर जौनपुर में भी मामले में तूल पकड़ लिया है। करण करण मृतक की पत्नी का मायका जौनपुर में है। सोमवार देर शाम मीडिया के माध्यम से आई खबरों को लेकर लोगों में कौतुहल मच गया। मृतक सुभाष ने अपने आत्महत्या से पहले लगभग 1 घंटे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया है साथ ही साथ 40 पन्ने का सुसाइड नोट भी वायरल है। जिसमें मृतक ने अपनी मौत का जिम्मेदार अपनी पत्नी साले चचेरे ससुर को ठहराया है।बंगलुरू में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष सनसनीखेज सुसाइड केस मामले में बुधवार को नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के खोया मंडी स्थित मृतक के ससुराल पहुंची। जहां घर पर मौजूद पत्नी निकिता की माँ निशा सिंघानियां व भाई अनुराग ने मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया।उनका कहना था कि हमारा पूरा परिवार इस मामले में सदमे है।मृतक की पत्नी अपने बच्चे के साथ दिल्ली में रहती है।इसके साथ ही उन्होंने मीडिया को उनके घर के फोटो वीडियो बनाने से मना किया।और मीडिया कर्मियों से अभद्रता पूर्वक बात किया। और कहा कि आप इस मामले में हमारे वकील से बात करें न्यायालय जाएं वही सब कुछ मालूम हो पाएगा। अब सब कुछ बातचीत पुलिस के सामने और वकील के सामने होगी।वहीं इस मामले में निकिता के वकील विनोद श्रीवास्तव से बातचीत करने पर उन्होंने ने भी मीडिया से बातचीत करने से साफ इनकार कर दिया।कहा इस मामले से हमारा कोई लेना देना नहीं है।लड़की आने के बाद बात होगी। इस मामले में मृतक इंजीनियर अतुल सुभाष का केस देख रहे अधिवक्ता दिनेश मिश्रा ने बताया कि अतुल की पत्नी निकिता ने अतुल पर कई केस किए थे।फैमली कोर्ट में मेंटिनेंस का भी केस चल रहा था।पत्नी निकिता ने अपने व अपने बच्चे के लिए भरण पोषण की मांग कोर्ट से किया था।जिसमे कोर्ट ने पत्नी को भरण पोषण न देकर उनके बच्चे के भरण पोषण के 40000 रुपया प्रति माह का आदेश दिया था।अधिवक्ता ने कहा कि अगर अतुल को यह राशि ज्यादा लग रही थी तो उसके ऊपर भी कोर्ट है या हम लोगो से बातचीत करनी चाहिए थी।बिगत जुलाई के बाद से अधिवक्ता दिनेश मिश्रा की अतुल से न कोई मुलाकात हुई न कोई बातचीत हुई।अधिवक्ता ने कहा कि कभी ऐसा लगा ही नही कि वह डिप्रेशन में है।

अयोध्या -रायबरेली नगर वासियों को शीघ्र मिलेगी कल्याण मण्डप की सौगात

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।राम नगरी वासियो को अयोध्या रायबरेली बाइपास पर स्थित कल्याण मण्डप की सौगात शीघ्र ही मिलेगी।इसी की तैयारी को लेकर बुधवार कोई नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा अपर नगर आयुक्त वागीश कुमार शुक्ला के साथ मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत अयोध्या–रायबरेली बाईपास पर निर्मित कल्याण मण्डप का निरीक्षण किया गया।बताते चले कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत रू0 448.20 लाख की लागत से निगम सीमा के तहत निम्न वर्गीयध्मध्यम वर्गीय की सुविधार्थ कल्याण मण्डप का निर्माण कराया गया है।जो शीघ्र जनमानस के सुविधार्थ प्रदत्त किया जाएगा।अयोध्या–रायबरेली बाईपास पर निर्मित कल्याण मण्डप में 500 की क्षमता के वैवाहिक कार्यक्रमध्अन्य सामाजिक कार्यक्रम किया जा सकेगा। कल्याण मण्डप में मुख्य भवन में भूतल, मल्टीपपज हाल, आफिस, किचेन, स्टोर, पुरूष, महिला व दिव्यांगजनन टायलेट, सीढ़ी कक्ष एवं प्रथम तल पर 04 नगर रूम टवायलेट सहित, बेड रूम विथ लिविंग रूम 2,कान्फ्रेन्स हाल (20–25 सिटिंग),

द्वितीय तल बेडरूम 01 किचेन व टवायलेट सहित, रूम 01 (अलग) किचेन, स्टोर रूम 02 ,ड्राइवर रेस्ट रूम, टवायलेट, आदि की व्यवस्था की गयी है।नगर आयुक्त द्वारा निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।नगर आयुक्त महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि कल्याण मण्डप का निर्माण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को विभिन्न आयोजनों के दृष्टिगत सुविधा प्रदान किए जाने के उद्देश्य से कराया गया है इस कल्याण मण्डप में नागरिकजन अपने सामाजिक आयोजनो को न्यूनतम दरों का भुगतान करते हुए कर सकते है। वर्तमान में भवन के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है इसकी संचालन की प्रक्रिया हेतु फैसिलिटी मैनेजर के चयन प्रक्रिया हेतु समस्त सम्बन्धित को निर्देशित किया गया जिससे निगमवासियों को काफी सुविधा प्राप्त हो सकेगी।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त, वागीश कुमार शुक्ला, पी0एम0सी0एण्ड0डी0एस0, देवव्रत पवार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

जनकपुर से वापस राम नगरी राम बारात पहुंचने पर जगह– जगह हुआ स्वागत

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनकपुर में श्री राम जानकी विवाह के उपरांत प्रभु श्री राम के बाराती मंगलवार को वापस अयोध्या लौटे।भगवान श्री राम माता जानकी,भरत लक्ष्मण तथा शत्रुहन व वधुओं का अयोध्या पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।इस मौके परिवार शंख ध्वनि, मंगलाचारण, घंटा घडियाल की मंगल ध्वनियों के साथ अयोध्या वासियों ने नववधुओं का स्वागत किया।वधुओं के स्वागत में अयोध्या ने पलक पावड़े बिछाया।राम मंदिर के मुख्य द्वार पर जमकर आतिशबाजी हुई।राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी ने राम बारात पर पुष्प वर्षा किया।तीर्थ पुरोहित समाज के अध्यक्ष दुर्गेश पांडे ने अपने साथियों के साथ आरती उतार कर और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भगवान राम मां जानकी के साथ चारों भाइयों तथा वधूओं की आरती उतारी गई। भक्ति पूर्ण परिवेश में श्रद्धालुओं जमकर थिरके। अपने आराध्य को विवाह उपरांत अपने समीप पाकर अयोध्यावासी व श्रद्धालु उत्साहित दिखे।ट्रस्ट के सदस्य डा अनिल मिश्रा ने बताया कि प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली राम बारात जनकपुर गई। जनकपुर के वासियां ने राम बारात का अभूतपूर्व स्वागत किया। चारों भाइयों की परंपरागत बारात अयोध्या लौटकर आई। उन्होंने कहा कि यहां पर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था लोग मे उत्साह देखने को मिला।विगत 14 दिन से लगातार अयोध्या में भगवान श्री राम के विवाह का उत्सव चल रहा है। 26 नवंबर को अयोध्या से मां जानकी के धाम जनकपुर के लिए बारात रवाना हुई थी। मंगल वार को अयोध्या पहुंची बारात का जगह–जगह भव्य स्वागत किया जा रहा है। 6 दिसंबर को विवाह पंचमी के मुहूर्त पर जनकपुर में भगवान श्री राम जानकी का विवाह संपन्न हुआ।

रुदौली विधायक ने दिव्यांग बच्चों को वितरित किये निःशुल्क उपकरण

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।बुधवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र मवई,अयोध्या में 6 से 14 आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क उपकरणध्उपस्कर वितरण किया गया।जिसका शुभारंभ विधायक रुदौली राम चंदर यादव द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी रमाकांत राम द्वारा मुख्य अतिथि को बुके व स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया। प्राथमिक विद्यालय पूरे शाहलाल के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं प्राथमिक विद्यालय मखदुमपुर द्वितीय के पूर्ण दृष्टि दिव्यांग छात्र समर द्वारा स्वगत गीत की प्रस्तुति की गई।इस मौके पर जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिवाकांत द्विवेदी द्वारा केंद्र व राज्य सरकार की दिव्यांग बच्चों हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे स्माइल ट्रेन के माध्यम से कटे–फटे हुए होंठ व तालु हेतु निःशुल्क सर्जरी,एस्कोर्ट अलाउन्स व स्टाइपेंड भत्ता व कॉक्लिर इम्प्लांट जैसी सर्जरी के बारे में बताया गया।इस मौके पर विधायक राम चन्दर यादव ने कहा कि शिक्षा से ही देश का विकास संभव है।दिव्यांग बच्चों को उनके जीवन के अंधकार से निकलकर समाज में नया आयाम स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया।अभिभावकों से अपील की कि वे इन उपकरणों का उपयोग करते हुए अपने बच्चों को विद्यालय में नियमित रूप से भेजने का प्रयास करें।साथ ही साथ विधायक द्वारा उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पन्न हुई साक्षरता परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।उपकरण वितरण कैम्प मे एलिम्को टीम के अशोक प्रताप सिंह एवं अवनीश कुमार,हंजला इरशाद की अगुवाई में 02 एम आर कीट,14 ट्राईसाइकिल,18 व्हील चेयर,66 हियरिंग ऐड, 06 सी पी चेयर, 04 रोलेटर, 12 एल्बो कर्च, 01 सुगम्य केन, 04 ब्रेल किट, 02 वाकिंग स्टिक आदि उपकरणों का वितरण किया गया।कैम्प को सम्पन्न कराने में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष श्री नील मणि त्रिपाठी, मवई विकास खण्ड के अध्यक्ष मो0 आरिफ, विष्णु कुमार गुप्ता, मंजेश मौर्या, गणेश प्रताप सिंह, एवं स्पेशल एजुकेटर संत बहादुर सविता,सुनील कुमार आंनद कुमार, अशोक कुमार, रविन्द्र कुमार प्रजापति कृष्ण चंद्र वर्मा महेंद्र पाठक का विशेष योगदान रहा। कैंप का संचालन महामंत्री विकास खण्ड मवई के संजय सिंह द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

पीठासीन अधिकारी राजस्व वादों के निस्तारण में गति लाते हुए लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण सुनिश्चित करें : डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वाद, आइजीआरएस एवं फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में बैठक बुधवार देर सायं संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी राजस्व वादों के निस्तारण में गति लाते हुए लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण सुनिश्चित करें। फार्मर रजिस्ट्री हेतु रोस्टर वाइज कैंप लगाकर शतप्रतिशत किसानो की फार्मर रजिस्ट्री करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाले शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें तथा किसी भी दशा में संदर्भों को डिफॉल्टर की श्रेणी में न जाने दें,

सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने मंडल स्तरीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए शिकायतों का ससमय निस्तारण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ कुमार, इशिता किशोर, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, उपजिलाधिकारी गण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

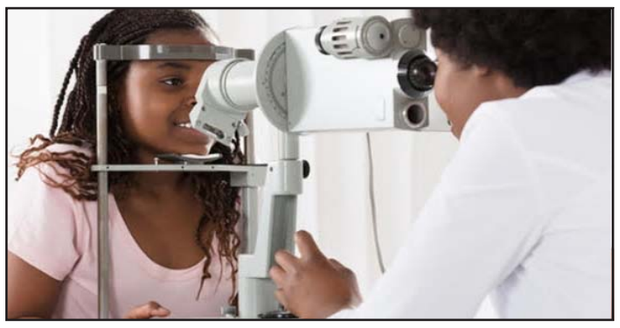

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' मंगलवार को तहसील शाहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आगमपुर स्थित स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय में विद्यालय के प्रबंधक डॉ0ए0बी0 सिंह के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें 214 मरीजों के नेत्रों का कुशल एवं अनुभवी डॉक्टरों की देखरेख में परीक्षण किया गया जिसमें से 126 नेत्र मरीजों का ऑपरेशन हेतु चयन किया गया साथ ही सभी मरीजों को देखभाल के सुझाव दिए गये। चयनित सभी मरीजों का ऑपरेशन सीतापुर अस्पताल में किया जायेगा। मरीजों से किसी भी तरह का कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा। शिविर में मौजूद सम्बंधित डॉक्टर ने बताया कि काफी लोगों की आँखों में एलर्जी व धूलमिट्टी से संक्रमण पाया गया। उन्होंने बताया कि नेत्र हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है इसलिए हमें इसकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं वर्तनी चाहिए। समय समय पर अपनी आँखों की जांच करवानी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 ए0बी0 सिंह ने बताया कि नेत्र शिविर के आयोजन में डॉ रामकिशोर शुक्ला,डॉ अविनाश यादव, रोहित, अमित वर्मा,शुभी राठौर, प्रियांशी, मोनू वर्मा का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर कालेज के प्रबंधक शिविर संयोजक डॉ के0बी0 सिंह ने डॉक्टर्स स्टॉफ सहित सीतापुर आँख अस्पताल प्रशासन के प्रति आभार जताया।

वनरोज की टक्कर से युवक की मौत

ब्यूरो सुलतानपुर

सुल्तानपुर। वनरोज की टक्कर से मंगलवार की शाम को युवक की मौत। बहन की शादी में शामिल होने सऊदी अरब से आया था युवक। मृतक की पहचान जैनुलाबदीन पुत्र जिआउद्दीन निवासी मोहम्मदपुर काजी थानाध्बल्दीराय के रूप में,15 दिसंबर को एकलौती बहन की आनी थी बारात। ट्रेनी सीओध्प्रभारी थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार बोले,घटना की किसी ने नहीं दी मुझे जानकारी। बल्दीराय थाना क्षेत्र के हलियापुर –कुड़वार मार्ग पर स्थित लक्ष्मीनगर रसूलपुर बाजार के पास की घटना।

फांसी के फंदे से लटक कर युवक ने दी जान

ब्यूरो सुलतान पुर

सुल्तानपुर। ढेमा गांव में रस्सी के फंदे के सहारे युवक ने दी जान। सभापति पुत्र विश्वनाथ वर्मा (36) वर्ष ने बरामदे में लगे बल्ली के सहारे रस्सी से फांसी लगा की आत्महत्या। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजी लाश। घटना से गांव में मचा कोहराम अगल–बगल के गांव के लोगों का जमावड़ा।

राष्ट्रीय प्रमुख. राष्ट्रीय युवा वाहिनी. भारत राजकुमार यादव महाराष्ट्र प्रवास पर..

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय प्रमुख राष्ट्रीय युवा वाहिनी राजकुमार संगठन के व्यापक विस्तार के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष देव प्रकाश शुक्ला.. के निर्देश पर राष्ट्रीय प्रमुख महाराष्ट्र के एक–एक गांव शहर नगर जिला मुख्यालयों पर लगभग एक माह का प्रवास सनातन धर्म व हिंदुत्व अलख जगाने के लिए रहेंगे।

विगत कई महीनों से महाराष्ट्र के वासियों का राष्ट्रीय अध्यक्ष को सूचना मिल रही थी यहां राष्ट्रीय प्रमुख का प्रवास व संगठन के विस्तार के लिए आना बहुत आवश्यक था। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय प्रमुख का एक माह का प्रवास सुनिश्चित किया....

अतः महाराष्ट्र प्रवास पर तीन दिनों के अंतराल में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आहुत की गई है इस बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई है जिसमें की भारतवर्ष की अखंडता व विश्व गुरु बनाने के क्रम में क्या सार्थक प्रयास किए जाएंगे इस पर सभी के विचार लिए जाएंगे।

तीन साल की सेवा के बाद मिलती है मुरेटिया की पदवी

प्रयागराज,(संवाददाता)। वैष्णव संप्रदाय के तीन अखाड़ों में निर्वाणी अनि अखाड़ा संस्कृति–भक्ति की रक्षा के केंद्र के रूप में सबसे शक्तिशाली माना जाता रहा है। चाहें संतों की सुरक्षा का मसला रहा हो या फिर हिंदू देवी–देवताओं के मठ–मंदिरों के संरक्षण का, निर्वाणी अनि अखाड़ा हमेशा सनातन संस्कृति की आवाज के रूप में सुर्खियों में रहा है। यह पहला अखाड़ा है, जहां साधु चार विभागों में काम करते हैं। अयोध्या में हनुमानगढ़ी पर अधिकार होने की वजह से यह सबसे ताकतवर अखाड़ा माना जाता है। इसके श्रीमहंत धर्मदास राम मंदिर मामले में पक्षकार रहे हैं। वह बताते हैं कि निर्वाणी अनि अखाड़े में साधुओं के चार विभाग हैं। इनमें हरद्वारी, वसंतिया, उज्जैनिया और सागरिया प्रमुख हैं। महंत धर्मदास बताते हैं कि इस अखाड़े में महंत की पदवी पाने के लिए नए संन्यासियों को लंबे समय तक गुरु की सेवा करनी पड़ती है। गुरु के प्रसन्न होने पर श्रीपंच की राय से महंत की गद्दी मिलती है। वैष्णव अखाड़े की परंपरा के अनुसार जब भी कोई नया साधु संन्यास ग्रहण करता है तो तीन साल की सेवा के बाद उसे 'मुरेटिया' की पदवी दी जाती है। इसके अलावा, पंचायती नया उदासीन अखाड़ा देव भाषा संस्कृत, संस्कृति, ज्ञान, भक्ति और नैतिकता की अलख जगाने वाला है। श्वेत वस्त्रधारी संतों वाले इस अखाड़े में पंच प्रेसीडेंट ही सर्वोपरि होते हैं। बिना इनके यहां कोई फैसला नहीं होता। इस अखाड़े की स्थापना हरिद्वार के कनखल में राजघाट पर 1902 में हुई थी।उदासी परंपरा के तीन प्रमुख अखाड़ों में पंचायती अखाड़ा नया उदासीन ज्ञान–भक्ति के साथ देव भाषा के प्रचार के लिए लंबे समय से जुटा हुआ है। देश भर में सात सौ से अधिक इसके डेरे हैं। इनमें 1.50 लाख से अधिक संत जुड़े हुए हैं। संस्कृत महाविद्यालयों के साथ धर्म प्रचार केंद्रों का संचालन भी यह अखाड़ा कर रहा है।अखाड़े के सचिव जगतार मुनि बताते हैं कि नैतिक मूल्यों के संरक्षण के साथ ही राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने के लिए लगातार काम हो रहा है। अखाड़े की स्थापना बनखंडी निर्वाणदेव जी ने की थी। महाकुंभ की पेशवाई हो, शाही स्नान या फिर कोई और शुभ कार्य, सबसे आगे गुरु के प्रतीक तौर पर संगत साहिब की सवारी चलती है।इसके पीछे संतों का कारवां चलता है। जगतार मुनि बताते हैं कि उदासीन संप्रदाय के संत पंचतत्व की पूजा करते हैं। उदासीन सिख साधुओं का संप्रदाय है। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के मौजूदा पंच प्रेसिडेंट श्रीमहंत धूनी दास हैं।दक्षिण पंगत के मुखिया महंत भगत राम पर महाकुंभ की जिम्मेदारी है। उत्तर पंगत के मुखिया महंत सुरजीत मुनि हैं तो पूर्व पंगत के महंत आकाश मुनि और पश्चिम पंगत के मुखिया महंत मंगल दास हैं। अखाड़े के उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान आदि में डेरे और आश्रम हैं।आश्रमों की ओर से स्कूल, कॉलेजों का संचालन हो रहा है। साथ ही, संस्कृत महाविद्यालयों के जरिये वेद प्रचार भी किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में पखवारे भर से लापता हैं पंचायत सचिव

सुल्तानपुर। जिले के भदैया ब्लॉक क्षेत्र में तैनात एक पंचायत सचिव संदिग्ध परिस्थितियों में करीब 15 दिनों से लापता है। ब्लॉक कर्मचारियों से लेकर परिवारीजनों तक से उनका सम्पर्क टूट चुका है। 10 दिनों से लगातार उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है। अनहोनी की आशंका से परिवारीजनों की उलझने बढ़ती जा हैं। मूलतरूगोसाईं गंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सैफुल्ला गंज निवासी नील कमल कनौजिया भदैया ब्लॉक में पंचायत सचिव के पद पर विकास विभाग में कार्यरत हैं। वर्तमान में उनकी भदैया ब्लॉक के बाबलमपुर, सौराई, कैभा, बोखरेपुर समेत करीब दर्जन भर ग्राम पंचायतों में तैनाती है। बताया जाता है कि सचिव नील कमल सप्ताह भर की छुट्टी लेकर भुवनेश्वर जाने की बात कह कर घर से नवंबर माह के आखिरी सप्ताह में निकले थे। 1 दिसंबर को उन्हें ड्यूटी ज्वाइन करनी थी, परंतु 1 दिसंबर से ही उनका मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है।

तब से आज तक किसी से कोई संपर्क नहीं हो सका है। नील कमल के भाई सुनील कुमार का कहना है कि काफी प्रयास के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। कहाँ हैं कैसे हैं कुछ पता नहीं चल रहा है। घर वाले अनहोनी की आशंका से भयभीत हैं। उधर, बीडीओ भदैया पंकज गौतम से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि 6 दिन की छुट्टी लिए थे। छुट्टी खत्म होने के बाद सपंर्क करने की कोशिश की गयी, परंतु मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा है। कर्मचारी को उनके घर भी भेजा गया, लेकिन घर वाले भी कुछ बता पाने में असमर्थ रहे। उन्होंने बताया कि सचिव के ड्यूटी न आने की जानकारी विभाग के उच्चाधिकारियों को दी जा चुकी है। हालाँकि अभी तक परिवारीजनों की ओर से कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी गई है।

सात पन्ने का सुसाइड नोट लिख... ठेकेदार ने खत्म कर ली जीवनलीला

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक ठेकेदार ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। वह कार धुलाई का ठेका लेते थे।

आलमबाग के होटल सौभाग्य इन में ठहरे थे। रविवार को गंभीर अवस्था में ठेकेदार को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके पास से सात पन्ने का सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें दो लोगों को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। ठेकेदार माता प्रसाद सिंह (46) आजमगढ़ के करखिया रुस्तम सहाय के रहने वाले थे। बेटे सूरज के मुताबिक उनके पिता शनिवार को देवरिया जाने की बात कहकर बाइक से निकले थे। रविवार को लखनऊ में रहने वाले माता प्रसाद के मित्र ने फोन कर सूरज को बताया कि उसके पिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया है।

पूछने पर बताया गया कि माता प्रसाद आलमबाग के सौभाग्य इन होटल में ठहरे थे। रविवार सुबह होटल के स्टाफ ने उन्हें अचेत अवस्था में देखकर इसकी सूचना दी। परिजन लखनऊ पहुंचे तो माता प्रसाद की हालत गंभीर थी। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। सूरज ने बताया कि उसके पिता ने कृष्णा इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म बनाई थी। फर्म पर वह कार धुलाई का ठेका लेते थे। आरोप है कि आजमगढ़ में एक वाहन कंपनी के जीएम भूपेंद्र सिंह और निखिलेश मौर्य ने माता प्रसाद से रुपये लिए थे। मांगने पर आरोपी रकम नहीं लौटा रहे थे। माता प्रसाद ने फर्म चलाने के लिए कई लोगों से ब्याज पर रकम उधार ले रखी थी। नोट में उन्होंने निखिलेश पर 13 और भूपेंद्र पर 16 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट में लिखा है कि दो माह पहले निखिलेश ने माता प्रसाद को जान से मारने की धमकी भी दी थी। नोट में लेनदेन का हिसाब और अपने जीवन के संघर्ष भी बयां किए हैं। उधर, जिन लोगों ने ठेकेदार को उधार दिए थे, वे भी लगातार रकम वापसी का दबाव बना रहे थे। इससे परेशान होकर माता प्रसाद ने आत्महत्या कर ली। सूरज ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मुख्य आरोपी ब्लॉक प्रमुख गिरफ्तार, फरार ड्राइवर भी पकड़ा गया

लखनऊ,(संवाददाता)। अधिवक्ता अखिलेश उर्फ गुड्डू शुक्ला की हत्या के मुख्य आरोपी बलिया के गड़वार ब्लॉक प्रमुख अतुल प्रताप सिंह व उसके ड्राइवर को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और दोनों को जेल भी भेज दिया गया। दोनों पर पांच–पांच हजार का इनाम घोषित था। 17 नवंबर को सलोरी निवासी अधिवक्ता की हत्या के बाद से ही अतुल फरार चल रहा था। उसके साथ ही उसके ड्राइवर अजय की भी तलाश की जा रही थी। शनिवार को उसकी गिरफ्तारी न होने के विरोध में कई दिनों से आंदोलित अधिवक्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया था। मुख्यमंत्री के आगमन से ठीक पहले मेयोहाल चौराहे पर पहुंचकर नारेबाजी की गई थी। इस पर पुलिस अफसरों ने तीन दिन में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया था। उधर, उसकी तलाश में लगीं चार टीमों ने रविवार को शहर में दो स्थानों पर छापा मारा। एक टीम ने बलिया में स्थित उसके संभावित ठिकाने पर छापा मारा। आखिरकार दोपहर बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दो साल पहले भी हत्या के प्रयास में जा चुका है जेल अधिवक्ता हत्याकांड का मुख्य हत्यारोपी गड़वार ब्लॉक प्रमुख अतुल प्रताप सिंह पूर्व में हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। आरोप था कि ठेकेदारी के विवाद में उसने अपने साथियों संग मिलकर बलिया के सुखपुरा स्थित जिराबस्ती पेट्रोल पंप के पास युवक पर जानलेवा हमला किया था। 17 जनवरी 2022 को यह घटना हुई थी। बलिया के दुबहड़ थाना के उदयपुरा निवासी नरेंद्र कुमार सिंह ने आरोप लगाया था कि ब्लॉक प्रमुख व उसके आठ अन्य साथियों व कुछ अज्ञात लोगों ने उसके बेटे हरीश सिंह पर जानलेवा हमला किया। असलहे की बट व हॉकी–डंडों से पीट–पीटकर उसे अधमरा कर दिया। पुलिस ने घटना वाली रात ही ब्लॉक प्रमुख समेत उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में बाद में चार्जशीट भी लगी थी। बलिया के गड़वार ब्लॉक का प्रमुख मुख्य आरोपी अतुल बलिया ब्लॉक प्रमुख संघ का अध्यक्ष भी है। वह खुद को मंत्री–सांसद का करीबी भी बताता है। फेसबुक पर उसने एक मंत्री व सांसद संग भी अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। वह सीएमपी से छात्रसंघ अध्यक्ष पद का भी चुनाव लड़ चुका है। ब्लॉक प्रमुख का चुनाव उसने निर्विरोध जीता था। 2018 में उसने खुद पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए जार्जटाउन में तीन लोगों पर नामजद मुकदमा दर्ज कराया था। अतुल फरीदपुर पचखोरा थाना सुखपुरा जनपद बलिया का मूल निवासी है। जबकि, उसका वर्तमान पता रामपुर उदयभान थाना कोतवाली बलिया है। पुलिस ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराया था। इस प्रकरण में चार आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। इनमें बसंतपुर, बलिया निवासी आरोपी दुर्गेश सिंह के अलावा निखिल सिंह, प्रिंस सिंह व मनोज सिंह शामिल हैं। मामले में निखिल नामजद था, जबकि चार अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। पुलिस ने विवेचना के दौरान चौथे अज्ञात आरोपी के रूप में अतुल को चिह्नित किया। साथ ही उसके ड्राइवर का भी नाम प्रकाश में आया।

मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन

लखनऊ,(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर देश और दुनिया मे बढ़ रहे मानवाधिकार उल्लंघन के बढ़ रहे मामलों के विरोध में प्रदर्शन किया। मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित संदीप पांडे की अगुवाई में सामाजिक कार्यकताओं ने इस्राइल द्वारा लगातार फिलीस्तीनियों पर किए जा रहे हमले बांग्लादेश में हिन्दुओं का उत्पीड़न, मणिपुर में मैतेई–कुकी हिंसा में 60,000 लोगों का विस्थापन, भारत में जगह–जगह उपासना स्थल अधिनियम की अवहेलना करते हुए हिन्दू–मुस्लिम विवाद खड़ा कर अल्पसंख्यकों को असुरक्षित बनाने को लेकर तमाम मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं का विरोध किया गया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने केंद्र सरकार से प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट का कड़ाई से पालन कराने और दुनिया की ताकतों से बेगुनाहों के कत्लेआम पर रोक लगाने की मांग की।

बिना चीरा लगाए हो सकेगी दिल की सर्जरी

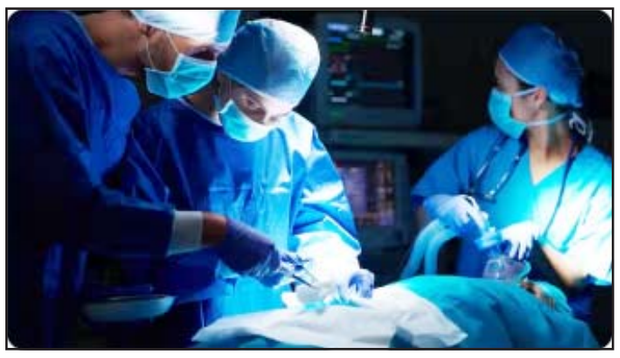

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सीवीटीएस विभाग में अगले साल से बिना चीरा लगाए मामूली छेद से ही दिल की सर्जरी संभव हो सकेगी। इसके लिए डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से मिनिमल इनवेसिव कार्डियक सर्जरी सिस्टम लगाया जाएगा। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि ओपन हार्ट सर्जरी

में खून ज्यादा बहने के साथ मरीज को खतरा भी ज्यादा रहता है। वहीं, मिनिमल इनवेसिव कार्डियक सर्जरी चीरे के बजाय छोटे–छोटे छेद करके की जाती है। इसके लिए संस्थान को प्रदेश सरकार की ओर से डेढ़ करोड़ रुपये का बजट मिला है। मिनिमल इनवेसिव कार्डियक सर्जरी सिस्टम आने से सर्जरी आसान और ज्यादा सुरक्षित हो सकेगी। मिनिमल इनवेसिव सर्जरी छाती के बाएं ओर छेद करके की जाती है। इसमें मांसपेशियों को अलग करके हड्डी को नुकसान पहुंचाए बिना दिल तक पहुंचा दिया जाता है। नियमित हृदय सर्जरी के विपरीत इस सर्जरी में सभी धमनियों और पैर से निकाली गई नसों का इस्तेमाल किया जाता है। इस सर्जरी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें खून की हानि कम होती है। संक्रमण का खतरा भी कम होता है। सर्जरी के बाद मरीज को अस्पताल से दो से तीन दिन में छुट्टी मिल जाती है। इसे सुरक्षित और प्रभावी तकनीक माना जाता है, क्योंकि सभी जगहों के ब्लॉक को बाईपास किया जा सकता है।

विहिप ने दी प्रतिक्रिया – अगर उन्होंने ऐसा कहा तो भी हम क्षमाप्रार्थी नहीं

लखनऊ,(संवाददाता)। विश्व हिंदू परिषद की ओर से रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव के बयान पर विवाद गहरा गया है। अब इस पर विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश ने जो कहा है हम उसके लिए क्षमाप्रार्थी नहीं हैं। हम समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर बात करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए न्यायाधीशों को आमंत्रित करते रहते हैं। अगर उन्होंने कहा भी है कि कानून बहुसंख्यकों के अनुसार काम करना चाहिए तो भी हम इसके लिए क्षमाप्रार्थी नहीं हैं। विहिप के अध्यक्ष ने कहा कि बहुसंख्यकों की भावनाओं को भी देश में वैसा ही सम्मान मिलना चाहिए जितना अल्पसंख्यकों को दिया जाता है। जैसे हम गाय का सम्मान करते हैं तो इस भावना का सम्मान किया जाना चाहिए। गोहत्या को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। देश में समान नागरिक संहिता होनी चाहिए जिससे सभी धर्मों का सम्मान हो। न्यायमूर्ति यादव ने कथित तौर पर बहुसंख्यक समुदाय के पक्ष में टिप्पणी की। इसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदुस्तान बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार काम करेगा और सुझाव दिया कि कानून बहुसंख्यकों के हितों के अनुरूप है। न्यायाधीश ने मुस्लिम समुदाय के भीतर की प्रथाओं की भी आलोचना की, जिसमें बहुविवाह, हलाला और ट्रिपल तलाक का संदर्भ दिया गया और इनकी तुलना हिंदू परंपराओं से की गई। इन टिप्पणियों में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जिसके कारण भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष और समतावादी मूल्यों को कमजोर करने के लिए कड़ी आलोचना की गई है।

जलभराव समस्या दूर करने के लिए दो करोड़ से होगा नाला निर्माण

लखनऊ,(संवाददाता)। नगर पंचायत अमेठी की ओर से जलभराव की समस्या से निजात दिलाने को लेकर दो करोड़ की लागत से नाला निर्माण कराया जाएगा। प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है। बारिश के मौसम में नगरवासियों को जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। नगर पंचायत क्षेत्र में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, नगर पंचायत क्षेत्र में सड़कों के किनारे बनाए गए कई नाले किसी पोखर आदि से नहीं जुडे हैं। शहर के ककवा मार्ग पर फ्लाईओवर का निर्माण होने के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के मौसम में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से पानी लोगों के घरों, दुकानों व संस्थानों में घुस जाता है। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष की ओर से पहल की गई है। नगर में जलभराव की स्थिति तहसील, कोतवाली, पशु चिकित्सालय, एसडीएम कालोनी, ओम नगर कॉलोनी, सरवनपुर सहित अन्य मोहल्लों के होते हैं। दूषित पानी सड़कों के ऊपर से बहता है। ऐसे में लोगों को दूषित पानी से गुजरने के साथ अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पंचायत क्षेत्र में 2,200 मीटर लंबे नाले का निर्माण किया जाएगा। जिसमें कोतवाली के सामने सड़क के दोनों ओर, जामा मस्जिद से लेकर धम्मौर रोड स्थित पेट्रोल पंप तक, गांधी चौक से लेकर कोतवाली पार्क तक बनेगा। इसके अलावा कोतवाली मोड़ से लेकर दुर्गापुर रोड स्थित नव दुर्गा मिष्ठान भंडार तक व राजस्थान स्वीट से दुर्गापुर रोड स्थित पानी की टंकी तक निर्माण होगा। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू कसौधन ने बताया कि ककवा रोड पर नाले का निर्माण कराए जाने का कार्य प्रस्तावित है। जिसमें फ्लाईओवर के दोनों तरफ सर्विस रोड निर्माण नहीं होने से दिक्कत आ रही है। बताया कि सर्विस रोड निर्माण के बाद नाला निर्माण का कार्य होगा। जनवरी माह में बजट मिलने के बाद काम शुरू होने की उम्मीद है।

प्रदेश में मौसम ने ली करवट पहाड़ों की बर्फबारी से गिरा पारा

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से यूपी में सोमवार को मौसम का मिजाज बदला नजर आया और अधिकांश हिस्सों में दिन में भी बादल छाए रहे। बरेली, मुरादाबाद, मेरठ, हरदोई समेत कई जगहों पर बूंदाबांदी देखने को मिली। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है। अगले दो दिनों के भीतर यूपी के अधिकांश हिस्सों में तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी। वहीं तराई इलाकों में घना कोहरा देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए दस से ज्यादा तराई इलाकों के लिए घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को देवरिया, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, अयोध्या आदि इलाकों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को उरई में सर्वाधिक 28.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। वहीं प्रयागराज में 28.2 डिग्री और अयोध्या में अधिकतम 26.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो बुलंदशहर में सबसे कम 8 डिग्री, मेरठ में 8.1 डिग्री और अयोध्या व नजीबाबाद में 8.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राजधानी में सोमवार को सुबह से बादल डेरा जमाए रहे। इससे दिन के तापमान में 2.5 डिग्री की गिरावट ने दिसंबर की सर्दी का अहसास कराया। सर्द हवा भी चली। बदले मौसम के बीच अमौसी एयरपोर्ट के आसपास छिटपुट बूंदाबांदी हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है। वहां से आने वाली पछुआ हवाओं से लखनऊ में अगले दो दिनों में पारे में दो से चार डिग्री तक की गिरावट देखने को मिलेगी और ठंड बढ़ेगी। इसके साथ ही मध्यम तक कोहरा भी छाएगा। सोमवार को दिन का तापमान 24.3 डिग्री और रात का पारा 1.5 डिग्री की बढ़त के साथ 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता रविवार की तुलना में सोमवार को और खराब रही। छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से अलीगंज व लालबाग की हवा लाल यानी बेहद खराब श्रेणी में रही। बीबीएयू और कुकरैल की हवा नारंगी यानी खराब गुणवत्ता की रही। गोमतीनगर और तालकटोरा की हवा पीली श्रेणी यानी मध्यम गुणवत्ता की रही।

मां से बात करते-करते फंदे से झूली नर्सिंग छात्रा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मोबाइल फोन पर मां से बात करते–करते अचानक नर्सिंग छात्रा ने बैटरी डिस्चार्ज होने की बात कही और फिर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया है। घटना दुबग्गा इलाके की है। हरदोई के गौसगंज नया गांव के गंगू पुरवा निवासी संतोष कुमार की बेटी अंजली देवी (22) दुबग्गा में मोहन विहार कॉलोनी में सुमन सिंह के मकान में किराये पर रहती थी। वह नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। सुमन के अनुसार, रविवार रात अंजली की मां विमला देवी ने कॉल कर बताया कि बेटी फोन नहीं उठा रही है। कमरे में गईं तो दरवाजा बंद था। खिड़की से झांका तो अंजली का शव पंखे से दुपट्टा के सहारे लटक रहा था। खबर पाकर परिजन रात दो बजे दुबग्गा पहुंचे। अंजली के मामा अरविंद ने बताया कि ढाई साल से भांजी किराये पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। जेहटा रोड स्थित चरक सुरुचि इंस्टीट्यूट में एएनएम के कोर्स का अंतिम वर्ष था। इसका परिणाम छह दिसंबर को आया था। इसमें वह उत्तीर्ण थी। वह अस्पताल में काम भी करती थी। परिवार में पिता संतोष कुमार, बहन अनामिका व भाई आकाश है। हादसे की खबर पर विमला बेसुध हो गईं। रोते हुए बोलीं कि ऐसी कौन सी परेशानी आ गई कि बिटिया ने यह कदम उठा लिया। रविवार रात आठ बजे से दो घंटे के अंतराल में कई बार उससे बात हुई। आखिर बार दस बजे बात हुई तब सब ठीक था। अंजली ने बैटरी डिस्चार्ज होने की बात कहकर फोन रख दिया। फिर कॉल नहीं उठाई।

संदिग्ध हालात में कमरे में मृत मिले एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में सोमवार को संदिग्ध हालात में एसएसबी में असिस्टेंट कमांडेंट अपने घर में जमीन पर मृत पड़े मिले। पुलिस घटनास्थल की जांच पड़ताल में जुट गई। खरगापुर के रामआसरे पुरवा निवासी संजय सिंह (58) एसएसबी में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। सोमवार रात वह अपने कमरे थे। काफी देर तक जब संजय सिंह कमरे से बाहर नहीं निकले तो बेटे प्रशांत ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर प्रशांत जब दरवाजे में धक्का देकर कमरे में दाखिल हुए तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि संजय जमीन पर पड़े हुए थे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और पिता को लोहिया अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रशांत ने बताया कि उनके पिता पहले बीमार चल रहे थे। पिता का इलाज चंदन अस्पताल से चल रहा था।

रुपये हड़पे जाने से आहत ठेकेदार ने जहरीला पदार्थ खाकर

लखनऊ। आजमगढ़ के करखिया रुस्तम सहाय निवासी ठेकेदार माता प्रसाद सिंह (46) ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। वह कार धुलाई का ठेका लेते थे और आलमबाग के होटल सौभाग्य इन में ठहरे थे। रविवार को गंभीर अवस्था में ठेकेदार को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके पास से सात पन्ने का सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें दो लोगों को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। ठेकेदार के बेटे सूरज के मुताबिक उनके पिता शनिवार को देवरिया जाने की बात कहकर बाइक से निकले थे। रविवार को लखनऊ में रहने वाले माता प्रसाद के मित्र ने फोन कर सूरज को बताया कि उसके पिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया है। पूछने पर बताया गया कि माता प्रसाद आलमबाग के सौभाग्य इन होटल में ठहरे थे। रविवार सुबह स्टाफ ने उन्हें अचेत अवस्था में देखकर सूचना दी। परिजन लखनऊ पहुंचे तो माता प्रसाद की हालत गंभीर थी। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। सूरज ने बताया कि पिता ने कृष्णा इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म बनाई थी। इस पर कार धुलाई का ठेका लेते थे। आरोप है कि आजमगढ़ में एक वाहन कंपनी के जीएम भूपेंद्र सिंह और निखिलेश मौर्य ने उनसे रुपये लिए थे। रकम नहीं लौटा रहे थे। माता प्रसाद ने फर्म चलाने के लिए कई लोगों से रकम उधार ले रखी थी। नोट में उन्होंने निखिलेश पर 13 लाख व भूपेंद्र पर 16 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट में लिखा है कि दो माह पहले निखिलेश ने माता प्रसाद को जान से मारने की धमकी भी दी थी। नोट में लेनदेन का हिसाब और जीवन के संघर्ष भी बयां किए हैं। उधर, जिन लोगों ने ठेकेदार को उधार दिए थे, वे भी रकम वापसी का दबाव बना रहे थे। परेशान होकर माता प्रसाद ने आत्महत्या कर ली। सूरज ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जनकपुर से अयोध्या पहुंची रामबरात

लखनऊ,(संवाददाता)। जनकपुर गई राम बरात मंगलवार को अयोध्या पहुंची तो उसका भव्य स्वागत किया गया। माता जानकी के साथ श्रीराम अयोध्या पहुंचे तो उनकी एक झलक पाने के लिए अयोध्यावासी दौड़ पड़े। साकेत महाविद्यालय से दोपहर एक बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का जगह–जगह स्वागत किया गया। राम जन्मभूमि पथ के सामने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से राम बरात का भव्य स्वागत हुआ। फूलों की बारिश हुई तो खूब पटाखे फोड़े गए। भक्तों ने जमकर नृत्य किया। बारातियों पर पुष्प वर्षा की गई। प्रख्यात आध्यात्मिक धर्मगुरु मिथिलेश नंदनी शरण, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र, मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव, एसएसपी राजकरण नय्यर, एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे भाव विभोर होकर बारातियों पर पुष्प वर्षा करते रहे। डॉ. अनिल मिश्र ने कहा कि यह अद्भुत क्षण है।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की फ्लीट में शामिल गाड़ियां आपस में टकराईं

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की फ्लीट में शामिल गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे में उनके स्टाफ के सदस्य घायल हो गए। हादसा शहीद पथ स्थित लुलु मॉल के पास हुआ। सुबह 8रू10 बजे राज्यपाल लखनऊ एयरपोर्ट से शहीद पथ की ओर रवाना हुए। रास्ते में अचानक उनकी फ्लीट में शामिल कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। राज्यपाल एक कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे थे। एयरपोर्ट से वह सड़क मार्ग से शहीद पथ के रास्ते जा रहे थे। इसी दौरान लुलु मॉल के पास अचानक फ्लीट की कई गाड़ियां आपस मे टकरा गईं। हादसे में पुलिसकर्मियों समेत कुछ स्टाफ के सदस्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि फ्लीट के सामने अचानक एक वाहन ने ब्रेक लगा दिया था, जिसकी वजह से हादसा हुआ। हादसे में राज्यपाल सुरक्षित हैं। पुलिस हादसे का कारण पता लगा रही है। हादसे के बाद सुरक्षा में तैनात अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है कि जिन पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। फ्लीट में एसीपी गाजीपुर भी शामिल थे।

युवक से विवाद हुआ था बेटे की हत्या की गई

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के अमेठी में बरात गए युवक का शव मंगलवार सुबह पास के गांव स्थित खेत में पड़ा मिला। शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परिजन हत्या की आशंका जाहिर कर रहे है। जामो थाना क्षेत्र के जोरावरपुर मठिया गांव निवासी संजीव कुमार मिश्र (27) सोमवार को घर के पास आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। गांव में आयोजित कार्यक्रम के बाद संजीव कुमार किसी बरात में शामिल होने निकले। देर रात तक संजीव घर नहीं पहुंचे तो परिजन ने तलाश शुरू की। लेकिन, पता नहीं चला। मंगलवार सुबह गांव से करीब दो किलोमीटर दूर पूरे परमेश्वरी मजरे शिवपुर स्थित एक खेत में संजीव का शव पड़ा मिला। संजीव के गले में कटे का निशान है। परिजन हत्या की आशंका जाहिर कर रहे है। सूचना पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। परिजनों को रोकर बुरा हाल है। एसएचओ विनोद सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच हो रही है। परिजनों की ओर से एक व्यक्ति से विवाद होने की जानकारी दी गई है। हर पहलू की जांच हो रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। मृतक संजीव के पिता रजनीश मिश्र केनरा बैंक की जामो शाखा में कैशियर पद कार्यरत है। रजनीश ने रोते हुए कहा कि पांच दिन पहले एक व्यक्ति से विवाद हुआ था। उसने ही हत्या कर दी। संजीव की मां बदहाव पड़ी है। सूचना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र है।

ग्रामीणों में गम के साथ आक्रोश है।

पीजीआई में बायोमीट्रिक हाजिरी के नियम पर घमासान

लखनऊ,(संवाददाता)। पीजीआई में बायोमीट्रिक हाजिरी के नियम अलग–अलग होने पर घमासान जारी है। 300 कर्मचारियों ने निदेशक डॉ. आरके धीमान को पत्र भेजकर बायोमीट्रिक हाजिरी में एक नियम लागू करने की मांग की है। कर्मचारियों ने प्रशासन को चेताया है कि नियम में बदलाव न होने पर सभी एक जनवरी से हाजिरी नहीं लगाएंगे। पीजीआई में एक नवंबर से बायोमीट्रिक हाजिरी की शुरूआत हुई है। कर्मचारियों का आरोप है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।